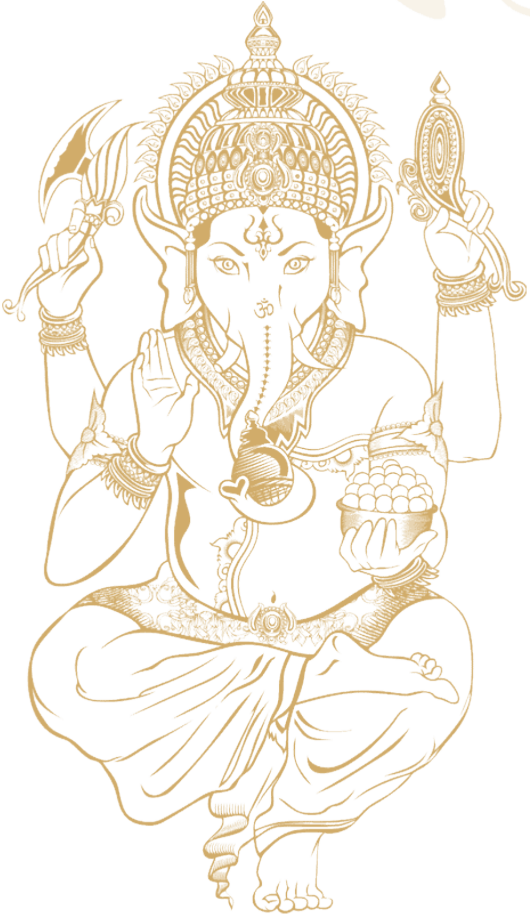

Diya Agarwal

01 Jan 2001

09:53 PM

Siliguri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121758306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/01/2001**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:53:00 घंटे**
इष्ट	38:39:38 घटी
स्थान	**Siliguri**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	26:42:00 उत्तर
रेखांश	88:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:16:44 घंटे
वेलान्तर	-00:03:32 घंटे
साम्पातिक काल	05:02:17 घंटे
सूर्योदय	06:25:08 घंटे
सूर्यास्त	16:54:44 घंटे
दिनमान	10:29:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:27:46 धनु
लग्न के अंश	23:14:13 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वरियान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:14:13	321:40:40	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	17:27:46	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मीन	03:08:29	12:14:35	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	11:28:13	00:35:03	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	धनु	21:30:49	01:37:33	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		वृष	08:16:10	00:04:42	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	03:51:13	01:06:08	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		वृष	00:41:43	00:02:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	21:39:25	00:00:25	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	21:39:25	00:00:25	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	24:49:00	00:02:56	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:29:05	00:02:07	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	19:55:32	00:02:07	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	22:50:51	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:00

लग्न-चलित

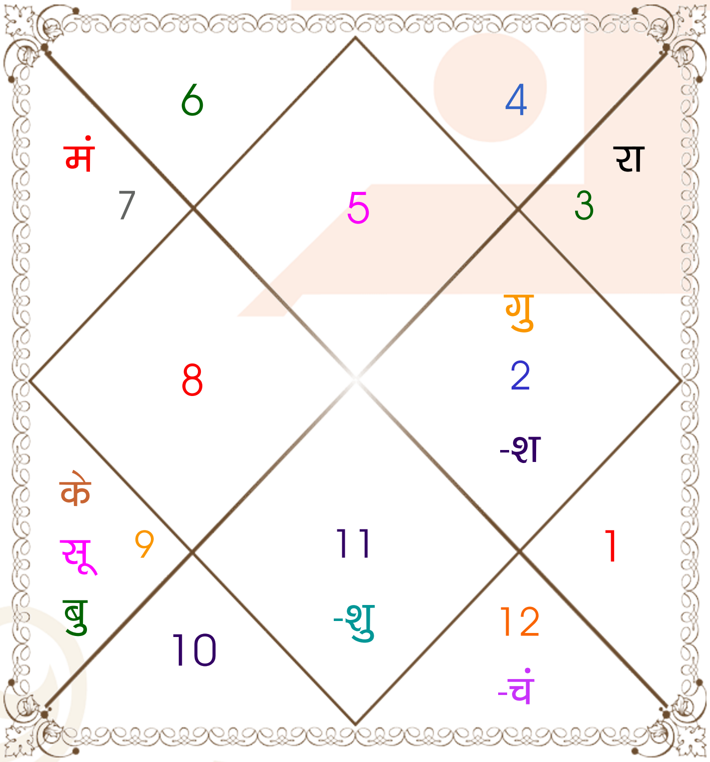

चन्द्र कुंडली

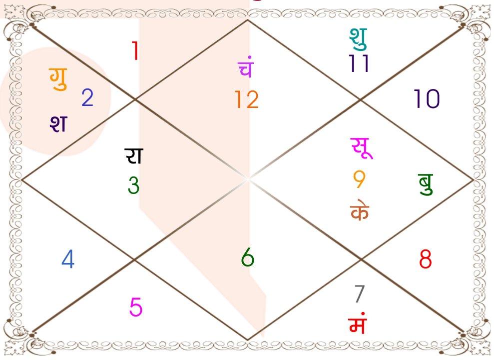

नवमांश कुंडली

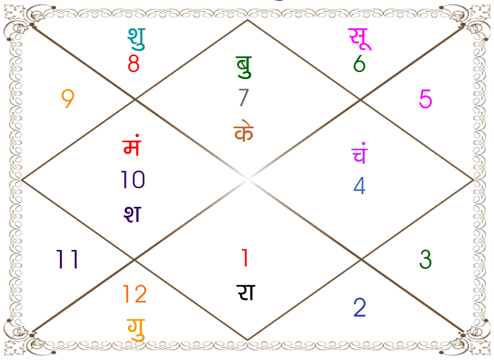

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 2 मास 23 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
01/01/2001	**27/03/2001**	**26/03/2020**	**27/03/2037**	**26/03/2044**
27/03/2001	**26/03/2020**	**27/03/2037**	**26/03/2044**	**26/03/2064**
00/00/0000	शनि 29/03/2004	बुध 23/08/2022	केतु 23/08/2037	शुक्र 27/07/2047
00/00/0000	बुध 08/12/2006	केतु 20/08/2023	शुक्र 23/10/2038	सूर्य 26/07/2048
00/00/0000	केतु 16/01/2008	शुक्र 20/06/2026	सूर्य 28/02/2039	चंद्र 27/03/2050
00/00/0000	शुक्र 18/03/2011	सूर्य 27/04/2027	चंद्र 29/09/2039	मंगल 27/05/2051
00/00/0000	सूर्य 28/02/2012	चंद्र 25/09/2028	मंगल 25/02/2040	राहु 27/05/2054
00/00/0000	चंद्र 28/09/2013	मंगल 22/09/2029	राहु 14/03/2041	गुरु 25/01/2057
00/00/0000	मंगल 07/11/2014	राहु 11/04/2032	गुरु 18/02/2042	शनि 26/03/2060
01/01/2001	राहु 13/09/2017	गुरु 17/07/2034	शनि 30/03/2043	बुध 25/01/2063
राहु 27/03/2001	गुरु 26/03/2020	शनि 27/03/2037	बुध 26/03/2044	केतु 26/03/2064

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
26/03/2064	**27/03/2070**	**26/03/2080**	**27/03/2087**	**28/03/2105**
27/03/2070	**26/03/2080**	**27/03/2087**	**28/03/2105**	**02/01/2121**
सूर्य 14/07/2064	चंद्र 25/01/2071	मंगल 22/08/2080	राहु 07/12/2089	गुरु 16/05/2107
चंद्र 13/01/2065	मंगल 26/08/2071	राहु 10/09/2081	गुरु 02/05/2092	शनि 26/11/2109
मंगल 20/05/2065	राहु 24/02/2073	गुरु 17/08/2082	शनि 09/03/2095	बुध 03/03/2112
राहु 14/04/2066	गुरु 26/06/2074	शनि 26/09/2083	बुध 25/09/2097	केतु 07/02/2113
गुरु 31/01/2067	शनि 25/01/2076	बुध 22/09/2084	केतु 14/10/2098	शुक्र 09/10/2115
शनि 13/01/2068	बुध 26/06/2077	केतु 18/02/2085	शुक्र 14/10/2101	सूर्य 27/07/2116
बुध 19/11/2068	केतु 25/01/2078	शुक्र 20/04/2086	सूर्य 08/09/2102	चंद्र 26/11/2117
केतु 27/03/2069	शुक्र 26/09/2079	सूर्य 26/08/2086	चंद्र 09/03/2104	मंगल 02/11/2118
शुक्र 27/03/2070	सूर्य 26/03/2080	चंद्र 27/03/2087	मंगल 28/03/2105	राहु 02/01/2121

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 2 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।